[illegible] स्टाफ में अलग प्रकार के टिप्स हैं फिजियोथेरेपी फैकल्टी का कारण है। कि यहां बड़ी कम पाली मिलती है हर पेसेन्त को। और यहां कोई पैसेन्ट आ गया तो वह ठीक होकर ही जाता है और यहां कि फिजियोथेरेपी और जगहो से भिन्न है। और C.P. बच्चों को देखकर लोग-बाग यह भी बोलते हैं कि पुराने कर्म अच्छे नहीं थे इसलिए ऐसी औलाद हुई है। अगर ऐसे बच्चे को कामयाब करवाना है तो इलाहाबाद में त्रिशला फाऊंडेशन में लेकर आ जाओ तो खाली हाथ नहीं जाओगे।

आखिर में यह कहुंगा कि डा० जितेन्द्र जैन और उनकी टीम एक भगवान के समान है, जो मेरे बच्चे हरिओम को बैड से जमीन पर चला दिया और मैं को पूरी उम्मीद है कि कुछ दिनो में स्टिक व वाकर भी छोड़ देगा। और मेरी पत्नी सन्तोष देवी ने भी काफी मेहनत करी बेटे के साथ और घर वाले के बाद भी, हम हमारे बेटे की एक्सरसाईज में कड़ी मेहनत रखेंगे।

धन्यवाद

मुकेश कुमार
बेटा - हरिओम
पता - मुकेश कुमार S/o श्रीरामावतार जांगिड़
ट्रक यूनियन के पिछे IInd PLOT
पावरहाऊस रोड, N.H. 8
V+P.O.- KOTPUTLI DIST- JAIPUR.
RAJ - 303108
Mob. 9868652943, 8010282283

Room No - 05
DATE - 16/2/16
NAME - HARIOM - II

मैं मुकेश कुमार। मेरा बेटा हरिओम जिसका जन्म 06 मई-2002 को कोटपूतली (राज०) जिला-जयपुर में हुआ, यह बच्चा प्रिमैच्योर हुआ, 07 महीने तीन दिन का हुआ, जब से इसको जयपुर इम्पीरियल होस्पिटल में लेकर गये तो 10-15 दिन वहां रखा NICU में, फिर इसको घर पर लेकर आ गये फिर इसके सिर में पानी भरना शुरू हुआ तो मैं AIIMS दिल्ली लेकर आया तो वहां पर इसको ऑपरेशन की तीन महीने की तारीख दी गई, फिर हमने जुगाड़ करके इसका ऑपरेशन तुरन्त G.B. Pant HOSP. दिल्ली में करवाया गया तो इसके सिर से लेकर पेट तक एक पाईप डाला गया उसको सन्ट (Sant) बोला जाता है फिर हमारे को G.P. Pant HOSP. से L.N.J.P. HOSPITAL (C.D.C) दिल्ली में ही रेफर कर दिया गया, फिर हमारे को किसी ने बताया कि इसको उदयपुर लेकर जाओ तो हम उदयपुर (राज०) में लेकर गये तो वहां पर इसका ऑपरेशन कर दिया फिर हमें एक वर्ष के बाद उदयपुर वापस बुलाया गया तो फिर हमारे को उन्होंने मना कर दिया कि हमारे यहां कि बिमारी नहीं है। फिर हम काफी परेशान रहे। और अचानक मैं घर पर गया हुआ था तो न्यूजपेपर में पढ़ा कि डा० जितेन्द्र जैन सर का कैम्प जयपुर (राज०) में लग रहा है। तो मेरे तारीख तो याद नही है उस दिन रविवार था तो मैं वहां पर लेकर गया तो हमें बोला गया कि आप इलाहाबाद (U.P.) में लेकर जाओ तो मैं हरिओम को लेकर इलाहाबाद आया और चेक अप करवा कर 1 साल बाद मैं मैं इलाहाबाद लेकर आया तो यहां बच्चे कि सरजरी हुई दोनो पैर में 10 जगह और एक दांये हाथ में तो अभी हमें पता नहीं और दिखाई भी नहीं देती है सरजरी और मेरे बच्चे हरिओम को घर पर था और [illegible] 9 महीने के बाद [illegible]